Except one flat the ESI Corporation got possession of all the flats during 1990-93.

(b) 82 flats in 1991, 18 in 1992, 41 in 1993 and 36 in 1994 were allotted to the employees. The date of allotment of each flat is not available.

(c) No, Sir. The number of vacant flats was 100.

(d) to (f) At present 60 out of 75 vacant flats are being modified/converted into MIG flats. All the flats are likely to be occupied by the entitled employees on completion of the work. No person has been held responsible for lapse by ESIC.

(g) Except in Karnataka (Bangalore) the ESIC has not purchased ready-built flats in any other State.

प्रबन्धन में कर्मकारों की भागीदारी

3590. **श्री ईश दत्त यादवः**
श्री आस मोहम्मदः

क्या **श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) केन्द्र के सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में प्रबन्धन में कर्मकारों की भागीदारी से संबंधित नीति की दिसम्बर, 1983 में घोषणा किए जाने के बाद से अब तक क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) कर्मकारों को प्रबन्धन बोर्डों में कितना प्रतिनिधित्व दिया जाता है और कितने प्रतिशत प्रतिष्ठानों में भागीदारी योजना पहले ही लागू कर दी गई है; और

(ग) क्या यह भागीदारी प्रबन्धन के सभी क्षेत्रों में दी गई है और यदि नहीं, तो कौन-कौन सी नीति अथवा अन्य मामलों में यह भागीदारी नहीं दी गई है?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा): (क) और (ग) प्रबंधन में कर्मकारों की सहभागिता संबंधी एक योजना केन्द्रीय सरकार द्वारा 30 दिसम्बर, 1983 को अधिसूचित की गई थी। यह सभी केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, विशिष्ट रूप से छूट प्राप्त को छोड़कर, पर लागू होती है। इस योजना में शॉप फलोर और संयंत्र स्तरों पर प्रबंधन में कर्मचारियों की सहभागिता का प्रावधान है। बोर्ड स्तर पर सहभागिता के संबंध में संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय/विभाग (उपक्रम को नियंत्रित करने वाले) श्रम मंत्रालय के विचार-विमर्श से निर्णय ले सकते हैं। 218 कार्यशील केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में से 108 ने शॉप/संयंत्र स्तर पर सहभागी मंच गठित किये हैं। अन्य 63 उपक्रमों ने योजना का संशोधित स्वरूप कार्यान्वित किया है। कर्मकारों के प्रतिनिधित्व की रीति या छोटे श्रम बाल संबंधी समस्याओं के कारण शेष उपक्रमों में योजना कार्यान्वित नहीं की जा सकी है। सहभागी व्यवस्था के अंतर्गत प्रचालन क्षेत्र, आर्थिक और वित्तीय क्षेत्र, कार्मिक मामले, कल्याण क्षेत्र, उत्पादन, पर्यावरण और समुदाय विकास आते हैं।

विदेशों में भेजे गए कर्मकार

3591. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोलाः** क्या **श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों में प्रतिवर्ष और 30 जून, 1994 तक राज्य-वार और संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने कर्मकारों को विभिन्न देशों में भेजा गया है; और

(ख) वर्ष 1994 और 1995 में राज्य-वार और संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने कर्मकारों को विभिन्न देशों में भेजे जाने की संभावना है?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा): (क) 1993 से पूर्व, उत्प्रवास संरक्षियों के कार्यालयों से अनुमति चाहने वाले कर्मकारों के राज्य-वार आंकड़े नहीं रखे जाते थे। वर्ष 1991 और 1992 के दौरान, क्रमशः 1.96 लाख और 4.17 लाख कर्मकारों को विदेश में संविदात्मक रोजगार के लिए अनुमति प्रदान की गयी थी। वर्ष 1993 और 30 जून, 1994 तक के लिए ऐसे कर्मकारों के राज्य-वार आंकड़े एकत्र किये जा रहे हैं और सभा पटल पर रख दिये जाएंगे।

(ख) कर्मकार विदेशों की मांग के अनुसार या तो श्रम मंत्रालय में पंजीकृत भर्ती एजेंटों के माध्यम से अथवा परियोजना विशेषज्ञों के माध्यम से अथवा वैयक्तिक आधार पर रोजगार के लिए विदेश जाते हैं। उन कर्मकारों की संभावित संख्या के बारे में कोई निर्धारण नहीं किया गया है जो वर्ष 1994 और 1995 के दौरान विदेश में रोजगार के लिये उत्प्रवास संरक्षियों से अनुमति प्राप्त कर सकते हैं।

कैंसर और क्षय रोग से पीड़ित बीड़ी कर्मकारों का इलाज

3592. **चौधरी हरमोहन सिंह**: क्या **श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि कैंसर और क्षय-रोग जैसी बीमारियों की बीड़ी कर्मकारों में अधिक फैलने की संभावना होती है;

(ख) सरकार द्वारा कैंसर और क्षय-रोग से पीड़ित

बीड़ी कर्मकारों के इलाज के लिए क्या प्रबन्ध किये गये हैं; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान बीड़ी कर्मकारों के कल्याण पर कितनी धनराशि खर्च की गई है और यह धनराशि किन-किन मदों पर खर्च की गई है?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा): (क) से (ग) इस प्रकार की कोई रिपोर्ट नहीं है कि सामान्य जनसंख्या की अपेक्षा बीड़ी कर्मकार क्षयरोग तथा कैंसर रोग से अधिक ग्रस्त हैं।

क्षय रोग से पीड़ित बीड़ी कर्मकारों के उपचार के लिए करमा (बिहार) में एक 50 बिस्तरों वाला क्षय रोग अस्पताल तथा नीमतीता (पश्चिम बंगाल) में एक चेस्ट क्लिनिक है। इसके अतिरिक्त, श्रय रोग से पीड़ित कर्मकारों की क्षयरोग-निरोधक दवाईयां उपलब्ध कराने के लिए भी बीड़ी कर्मकारों हेतु अनेक औषधालय स्थापित किए गये हैं। क्षय रोग से पीड़ित बीड़ी कर्मकारों के लिए सरकारी / क्षय रोग अस्पतालों में बिस्तर आरक्षित करने की एक योजना है क्षयरोग और कैंसर के चिकित्सा उपचार लागत की प्रति-पूर्ति सहित वित्तीय सहायता कराने के लिए भी योजना है।

गत तीन वित्त वर्षों के दौरान बीड़ी कर्मकारों के लिए स्वास्थ्य , शिक्षा, मनोरंजन, आवास सुविधाएं तथा समूह बीमा हेतु विभिन्न कल्याण योजनाओं पर किया गया व्यय इस प्रकार है :—

वर्ष	व्यय (आंकड़े लाखों में)
1991-92	804.70 रुपये
1992-93	1215.48 रुपये
1993-94	1585.01 रुपये

Membership of Trade Unions

3593. SHRI JANARDAN YADAV:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:
DR. MURLI MANOHAR JOSHI:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government periodically enumerate the membership of the trade unions at the National and State levels;

(b) if so, when the last enumeration was done and what was the membership of each trade union and when the next enumeration is proposed to be held; and

(c) the names of the trade unions and number of delegates who were nominated to represent India in various international meetings and fora during each of the year since 1991?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P.A. SANGMA): (a) Yes, Sir.

(b) The last general verification to assess the membership of the Central Trade Union Organisations (CTUOs) was undertaken with the date of reckoning as 31.12.80. Details of verified membership are as per Statement-I. (*See* below) At the 29th Session of the Inidan labour Conference held on 21st & 22 April, 1990, it was decided to undertake general verification of membership with 31.12.89 as the date of reckoning. The process of general verification has been completed in accordance with the agreed procedure adopted by the Standing Committee of CTUOs. The Chief Labour Commissioner (Central and Chairman of the Standing Committee requested the CTUOs to collect the provisional results on 4th & 5th August, 1994 and point out errors/omissions, if any, within a period of one month. These objections will be considered in the next meeting of the Standing Committee of the CTUOs scheduled for 15th September, 1994 for rectification/final publication of the results.

(c) Details as per Statement-II

Statement-I

Verified membership of Central Trade Union (CTUOs) Organisations as on 31.12.80.

Sl. No.	Name of Central Trade Union Organisation	Verified membership as on 31.12.1980.
1.	I.N.T.U.C.	22,36,128
2.	B.M.S.	12,11,345